माओ त्से तुंग की मृत्यु हो गई है.

आज कॉमरेड माओ त्से तुंग की मौत की सूचना मिली. उनकी मौत से, विशेष रूप से इस अशांत स्थिति में, हम दुखी और चिंतित है. यह चीन के लिए एक बड़ी क्षति है.

मेरी राय में, माओ त्से तुंग एक क्रन्तिकारी थे, न केवल चीन के लिए अपितु अंतरराष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण व्यक्तित्व थे.

माओ त्से तुंग ने विदेशी दासता से और कुओमिनटांग की प्रतिक्रियावादी गुट से चीन की मुक्ति की बड़ी जीत के लिए कम्युनिस्ट पार्टी और महान चीनी लोगों का नेतृत्व किया. यह चीनी लोगों के लिए और समाजवादी शिविर के लिए और उन सभी लोगो के लिए जो मुक्ति के लिए लड़े या लड़ रहे हैं, एक महान ऐतिहासिक महत्व की उपलब्धि थी.

माओ के नेतृत्व में, समाजवाद का निर्माण चीन में शुरू हुआ. (कम से कम, हाल हाल तक यह हमारा विश्वास था, जबकि हम देख रहे हैं कि यह «निर्माण» टेढ़े- मेंढ़े रास्ते से गुजरा है .) हमारी राय में, मामला पहले ही उस बिंदु तक पहुँच गया है, जहाँ यह सवाल पुछा जाना चाहिए: चीन में किसकी जीत होगी, समाजवाद की या पूंजीवाद की? इसलिए कॉमरेड माओ त्से तुंग की मृत्यु चीनी लोगों के भविष्य और उनकी मृत्यु के बाद चीन द्वारा अपनाए जाने वाले रास्ते के बारे में हमारे बीच बहुत चिंता को जन्म देता है. बेशक, वर्तमान में हम इस बारे में कोई घोषणा नहीं कर सकते, आने वाला समय हमें यह स्पष्ट कर देगा. हम गलत साबित हो सकते है लेकिन इस लाइन का परिणाम, जिसे चीनी संशोधनवादी «माओ त्से तुंग सोच» कहते है और जिसका मार्क्सवाद- लेनिनवाद के साथ कुछ भी लेना देना नहीं है, चीन के लिए कुछ भी अच्छा नहीं होगा.

अब उनकी मृत्यु हो चुकी है. क्या चीन लाल रहेगा और यह लाल एक सच्चे, उग्र, क्रांतिकारी मार्क्सवादी लेनिनवादी लाल में बदल सकेगा ?

यही हमारी इच्छा है और अपने दिल और आत्मा से, और कम्युनिस्ट ईमानदारी के साथ हम यही आशा रखते है क्योकि यह चीन के लिए, क्रांति, समाजवाद और साम्यवाद के लिए अच्छा है. हम अल्बानियाई कम्युनिस्ट माओ त्से तुंग को उनके सकारात्मक विचारों और अपने लंबे क्रांतिकारी गतिविधि के लिए, उसके अच्छे पहलुओं के लिए सम्मान के साथ याद करेंगे, लेकिन उन राजनीतिक, वैचारिक और संगठनात्मक विचारो और प्रस्थापनाओ के लिए जो हमारे अनुसार गलत और गैर मार्क्सवादी है, हम चुप नहीं रहे है और हम आगे भी उनकी आलोचना किये बिना बेकार नहीं बैठेंगे. लेनिनवाद हमें सिखाता है कि हमें हमेशा सही और वस्तुपरक होना चाहिए न कि व्यक्तिपरक या भावुक.

उनसे बहुत सारे मतभेद के बावजूद, माओ त्से तुंग की मौत ने हमें दुखी किया है क्योंकि उन्होंने हमेशा हमारे समाजवादी देश और अल्बानिया के लेबर पार्टी के एक दोस्त और प्रशंसक के रूप में खुद को माना और एक कम्युनिस्ट और अंतर्राष्ट्रीयवादी होने के चलते हम इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते. हम कह सकते है कि माओ त्से तुंग चीनी नेतृत्व में मुख्य और निर्णायक व्यक्ति थे जिन्होंने अल्बानिया जनवादी गणराज्य को आर्थिक और सैन्य सहायता प्रदान की और उन्होंने यह सहायता अंतर्राष्ट्रवादी भावना के तहत दी. ठीक उसी तरह हमारी पार्टी ने अच्छे और कठिन दोनों दौर में, विशेष रूप से ख्रुश्चेववैएट संशोधनवादी के हमलों के खिलाफ और साथ ही महान सांस्कृतिक क्रांति के दौरान चीन की सहायता की, उसके बगल में खड़ी रही और माओ का बचाव किया.

SEPTEMBER 9, 1976